

छिःछिः अव्य. (अनु.) 1. घृणासूचक शब्द, घिन जताने का शब्द 2. तिरस्कार या अरुचिसूचक शब्द।

छिकनी स्त्री. (देश.) 1. एक बूटी जिसे सूँघने से बहुत छींक आती है 2. नक छिकनी, नसवार।

छिक्कनी स्त्री. (देश.) दे. छिकनी।

छिगुनी स्त्री. (देश.) 1. सबसे छोटी उँगली 2. कनिष्ठिका।

छिछड़ा पुं. (देश.) छीछड़ी।

छिछड़ी स्त्री. (देश.) लिंगेद्रिय के ऊपर का आवरण जिसे मुसलमानों में खतने के समय काट दिया जाता है।

छिछलना अ.क्रि. (देश.) छितरना, फिसलना, छटकना, छूते हुए निकल जाना।

छिछला वि. (देश.) 1. उथला 2. क्षुद्र, छिछोरा 3. निम्न स्तर का जिसमें गांभीर्य न हो।

छिछियाना अ.क्रि. (अनु.) कुत्सा करना, निंदा करना, घिन करना।

छिछोरपन पुं. (देश.) छिछोरा होने का भाव, क्षुद्रता, ओछापन, नीचता।

छिछोरा वि. (देश.) क्षुद्र, ओछ, जो गंभीर या सौम्य न हो, नीच प्रकृति का।

छिछोरपन पुं. (देश.) दे. छिछोरपन।

छिजाना अ.क्रि. (देश.) छीजना का प्रेर. रूप, किसी वस्तु को ऐसा करना कि वह धीरे-धीरे नष्ट हो जाए या छीज जाए, छीजने या नष्ट होने देना।

छिटकना अ.क्रि. (अनु.) 1. गिरकर या फटकर इधर-उधर फैलना, चारों ओर बिखरना, छितराना 2. प्रकाश की किरणों का चारों ओर फैलाना, प्रकीर्णन जैसे चाँदनी, या तारों का छिटकना 3. छटकना, दूर भागना, अलग हो जाना।

छिटका पुं. (देश.) पालकी का परदा।

छिटकाना स.क्रि. (देश.) 1. चारों ओर फैलाना, इधर-उधर बिखराना 2. छटकना, दूर करना।

छिड़कना स.क्रि. (देश.) 1. जल या दूसरे द्रव के छींटे करना 2. न्योछावर करना 3. भुरभुराना।

छिड़कवाना स.क्रि. (देश.) छिड़कने का काम कराना।

छिड़काव पुं. (देश.) छिड़कने की क्रिया, छोटों से तर करना प्रयो. यहाँ सड़कों पर छिड़काव नहीं होता।

छिड़ना अ.क्रि. (देश.) 1. आरंभ होना, शुरू होना 2. अनवन या लड़ाई होना।

छितराना स.क्रि. (देश.) छोटे टुकड़ों या कणों का गिरकर इधर-उधर फैलना, तितर-बितर होना, बिखरना, इधर-उधर।

छिति स्त्री. (तद्.) दे. क्षिति।

छितिज पुं. (तद्.) दे. क्षितिज।

छितिनाथ पुं. (तद्.) दे. क्षितिनाथ।

छितीश पुं. (तद्.) दे. क्षितिश

छिदना अ.क्रि. (देश.) 1. छेद युक्त होना, सूराखदार होना, भिदना, बिंधना 2. छेद हो जाना 2. क्षतविक्षत होना, घायल होना, जखमी होना प्रयो. उसका सारा शरीर तीरों से छिद गया था।

छिदरा वि. (देश.) ओछा।

छिदि स्त्री. (तत्.) 1. कुल्हाड़ी 2. उच्छेदन की क्रिया।

छिद्र पुं. (तत्.) 1. छेद, सूराख 2. गड्ढा, विवर, बिल 3. अवकाश, जगह 4. दोष, त्रुटि।

छिद्रक पुं. (तत्.) कागजों आदि में छेद करने वाला उपकरण।

छिद्रदर्शी वि. (तत्.) दोषदर्शी, पराया दोष देखने वाला, नुक्स निकालने वाला 2. भेद की बात ढूँढने वाला।

छिद्रान्वेषण पुं. (तत्.) पराया दोष ढूँढना, नुक्स निकालना, छिद्रानुसंधान।

छिद्रान्वेषी वि. (तत्.) छिद्र ढूँढने वाला, पराया दोष ढूँढने वाला।

छिद्रित वि. (तत्.) 1. छेदा हुआ, बेधा हुआ 2. छिद्र युक्त जिसमें दोष लगा हो 3. दूषित, ऐबी।